पाठ-7

गाँव की सैर

प्रदीप और करीम गुवाहाटी के आदर्श विद्यालय की छठी कक्षा के छात्र हैं। भोगाली बिहू की छुट्टी में करीम अपने दोस्त प्रदीप के गाँव घूमने गया। वे रेलगाड़ी से गोवालपारा स्टेशन पर उतरे। दोनों आपस में बातचीत करने लगे।

करीम : अरे प्रदीप! यह इतना सुंदर खेत किसका है?

प्रदीप : यह मेरे चाचा जी का है। हमारे गाँव के लगभग सभी लोग धान की खेती करते हैं। हमें जितने चावल की जरूरत है, अपनी खेती से ही मिल जाते हैं।

करीम : तुम्हारा गाँव सचमुच बहुत सुंदर है। ये हरे-भरे खेत देखने में कितने अच्छे लगते हैं!

प्रदीप : चलो, आगे और मजा आएगा।

करीम : अच्छा। वे लंबे-लंबे पेड़ तांबूल के हैं न? लेकिन उन पेड़ों पर जो लताएँ दीख रही हैं- वे क्या हैं?

प्रदीप : हाँ, तुमने सही पहचाना। तांबूल के पेड़ों पर चढ़ी वे लताएँ पान की हैं।

करीम : तुम्हारे गाँव में और क्या-क्या फसलें होती हैं ?

प्रदीप : हमारा गाँव संतरे और केले के बगीचों के लिए बहुत प्रसिद्ध है। *(एक टीले की ओर इशारा कर)* उस पहाड़ी टीले की ढलान पर संतरे की खेती अच्छी होती है। मैदान में विविध प्रकार के केलों के बगीचे हैं। पास में ही दरंगिरी नामक जगह पर केले का एक बहुत बड़ा बाजार है। यह बाजार काफी मशहूर है। यहाँ से केले का निर्यात किया जाता है।

करीम : यहाँ केले का भाव क्या है ?

प्रदीप : ऐसे तो अन्य जगहों से कम ही है। अलग-अलग किस्मों के केलों के भाव अलग-अलग होते हैं। किसी के दस रुपए दर्जन हो तो किसी के बीस, किसी

के तीस भी हो सकते हैं।

करीम : अच्छा, यहाँ और क्या-क्या फल मिलते हैं ?

प्रदीप : यहाँ नारियल, अमरूद, लीची, आम, नींबू आदि प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं।

करीम : क्या गाँव में साग-सब्जियाँ पैदा नहीं होतीं ?

प्रदीप : क्यों नहीं ? सड़क के मोड़ पर ही साग-सब्जियों का एक बाग है। चलो, आगे बढ़ते हैं। *(बाग के नजदीक पहुँचकर)* यह देखो। सर्दी के मौसम में होने वाली बहुत सारी साग-सब्जियाँ तुम यहाँ देख पाओगे।

करीम : सर्दी के मौसम में क्या-क्या साग-सब्जियाँ होते हैं ?

प्रदीप : सर्दी के मौसम में पालक, धनिया, राई, चौलाई आदि साग होते हैं। सब्जियों में फूलगोभी, बंदगोभी, गाँठगोभी, बैंगन, मूली, गाजर, मटर, टमाटर, लौकी आदि होते हैं।

करीम : और गर्मी के मौसम में ?

प्रदीप : गर्मी के मौसम में होने वाली सब्जियाँ- करेला, खीरा, जीका, कद्दू, भिंडी आदि हैं। सागों में पुदीना, ढेकिया, खुटरा आदि हैं।

करीम : प्रदीप, बाग में कुछ सब्जियाँ मैंने देखीं नहीं, जैसे- आलू, गाजर, मूली, शलगम, चुकंदर आदि।

प्रदीप : अरे दिखाई कैसे देंगी ? ये सभी सब्जियाँ मिट्टी के अंदर होती हैं। कुछ सब्जियाँ मिट्टी के ऊपर पौधे में, जैसे- मिर्च, टमाटर, बैंगन, गोभी आदि और कुछ लताओं में, जैसे- खीरा, लौकी, करेला, कद्दू आदि उगती हैं।

करीम : *(दूर खेत की ओर इशारा कर)* पीले-पीले वे क्या हैं ?

प्रदीप : वह सरसों का खेत है। सरसों का तेल इसी से बनता है। करीम, अब चलो घर चलते हैं। सूरज भी ढल चुका है। माँ राह देख रही होंगी।

करीम : चलो। तुम्हारा गाँव देखकर बहुत मजा आया। बहुत सारी नई-नई जानकारियाँ भी मिलीं। चलो, चलते हैं।

प्रदीप और करीम का मन भर आया। आखिरकार गाँव की सैर कर करीम ने अपने-आपसे कहा- वाह ! बहुत मजा आया। आजकल महँगाई का सामना करने के लिए घर में ही साग-सब्जी और फल आदि की खेती करना बहुत जरूरी है, तभी तो ताजे-ताजे साग-सब्जियों का स्वाद मिल पाएगा !

अभ्यास-माला

1. आओ, बातें करें :

(क) छुट्टियों में तुम लोग क्या-क्या करते हो ?

(ख) मीठे, खट्टे, कड़वे फलों के नाम बताओ।

(ग) किसे पकाकर और किसे कच्चा खाया जाता है ? आओ, समूह में चर्चा करें:
बैंगन, फूलगोभी, गाजर, मूली, आलू, टमाटर, मिर्च, धनिया, करेला, खीरा, भिंडी, पालक।

2. सर्दी और गर्मी के मौसमों में क्या-क्या खेती होती हैं ? आओ, लिखें :

सर्दी में	.....	.....	.....	.....	.....	.....	.....
गर्मी में	.....	.....	.....	.....	.....	.....	.....

3. आओ, पहचानें और नाम लिखें :

(क) सब्जियाँ :

लौकी

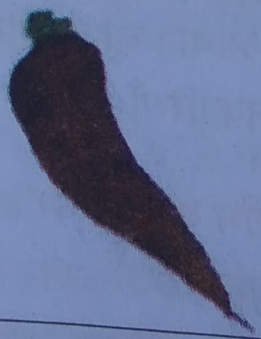

(ख) फल :

केला

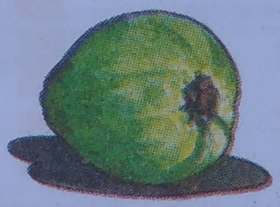

4. पूर्ण वाक्य में उत्तर लिखो :

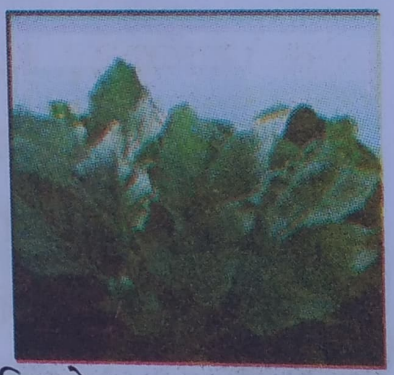

(क) पीले-पीले रंग के फूल किस खेत के हैं ?

(ख) केले का बड़ा बाजार कहाँ है ?

(ग) पाँच सागों के नाम लिखो।

(घ) मिट्टी के अंदर होने वाली पाँच सब्जियों के नाम लिखो।

(ङ) लताओं में होने वाली चार सब्जियों के नाम लिखो।

5. वाक्य बनाओ :

बगीचा मैदान बाजार मौसम गाँव सूरज छुट्टी शहर

6. आओ, पहचानें और समझें :

ने → मोहन ने पत्र लिखा।

तुमने क्या किया ?

(क) अब तुम 'ने' जोड़ कर वाक्यों को पूरा करो :

लड़के ..... खाना खाया। लड़की ..... रोटी खाई।

(ख) आओ, पढ़ें और समझें :

से → राधा कलम से लिखती है।

के लिए → ये गुब्बारे बच्चों के लिए हैं।

पर → मेज पर पुस्तक है।

से → राम थैले से सेब निकाल रहा है।

हे → हे भगवान ! मेरी रक्षा करो।

रा → यह मेरा घर है।

➲ अब इसी तरह से, के लिए, पर लगाकर एक-एक वाक्य बनाओ।

....

....

(ग) पढ़ो, समझो और खाली जगहों को भरो :

का को की में

(अ) पिता जी शाम ... आएँगे। (आ) यह अमन ... घर है।

(इ) टोकड़ी ... आम हैं। (ई) सीता ... रोटियाँ खराब हो गईं।

(ङ) विलोम शब्द लिखो :

भला x बुरा

गाँव x .....

बड़ा x .....

नई x .....

ऊपर x .....

लंबा x .....

7. आओ, पहेलियाँ बूझें :

(क) ऐसा लिखें, शब्द बनाएँ
फूल, फल, मिठाई बन जाएँ।

(ख) दिन को सोए, रात को रोए
जितना रोए, उतना खोए।

8. परियोजना :

फलों, सब्जियों और सागों के कुछ चित्रों का संग्रह करो और उनके नाम सहित तालिका बनाओ।

9. आओ, जान लें :

गोवालपारा जिले में लोकगीत की एक शैली मशहूर है, जिसे ***गोवालपरीया लोकगीत*** *कहते हैं। गोवालपरीया लोकगीत की एक मशहूर गायिका प्रतिमा पांडे बरुवा थीं। नीचे एक गोवालपरीया लोकगीत दिया गया है। इसे सीखो और गाने की कोशिश करो:*

आरे दांताल हातीर माहुतरे
देशेर माहुत चलिया जाय;
नारीर मन मोर पुरिया रयरे।।
माओ चारलं बाप चारलं,
चारलं भबेर बारी,
गोवालपारा चारिया आसलं रे,
सखि अल्प बयसेर नारी।।
चंपा फूलेर डाले डाले
काजल भोमोरा उरे,
जि नारीर पुरुष नाइरे,
तार रूपे कि काम करे।।

प्रतिमा पांडे बरुवा

⇒ इस प्रकार के और गीत खोजो और गाने की कोशिश करो।

10. आओ, पाठ में आए कुछ शब्दों के अर्थ जानें :

सैर	=	सफर, भ्रमण	संतरा	=	नारंगी
जरूरत	=	आवश्यकता, प्रयोजन	निर्यात	=	विदेशों में सामग्री भेजना
फसल	=	खेत की पैदावार	सर्दी	=	जाड़ा, ठंढक
प्रसिद्ध	=	विख्यात, मशहूर	मौसम	=	जलवायु
टीला	=	छोटी पहाड़ी	बगीचा	=	बाग
ढलान	=	ढला हुआ भूखंड	काफी	=	पर्याप्त